Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P)

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

Yearly Grading Scheme

B.A. III YEAR (Kathak) PRIVATE

Subject cod	Subject Nature	End Term	Total Mark %	Minimum Passing Mark %
Group-A	***Core Subject – Kathak***			
C1-101	History & development of Indian dance	100	100	33%
C1-102	Essay composition, rhythmic pattern and principles of practical	100	100	33%
C1-103	Practical one (with nss camp)	100	100	33%
Group-B	Elective open-1 LITERATURE any one following for teaching availability (HINDI/ENGLISH/SANSKRIT)			
E1-101	THEORY-1	100	100	33%
E1-102	THEORY-2	100	100	33%
	Elective open-2- SOCIAL SCIENCE			
	any one following for teaching availability (HISTORY/PHILOSOPHY)			
E2-101	THEORY-I	100	100	33%
E2-102	THEORY-II	100	100	33%
Group- C	***FOUNDATION COURSE (Compulsory)***			
F-HM-101	HINDI & MORAL VALUES - I	100	35	33%
F-HM-102	ENGLISH LANGUAGE - II	100	35	33%
F-HM-103	BASICS OFCOMPUTER - III	100	30	33%
	GRAND Total Credits & Hours			

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम(स्वाध्यायी)

Choice Based Credit System- (CBCS)

सत्र 2021–22

Class : B.A. IIIrd Year
Subject : Kathak
Paper : I[st]
Title of paper :भारतीय नृत्य का इतिहास, विकास एवं प्रयोगात्मक सिद्धांत
(History and development of Indian dance)
Compulsory/Optical : Compulsory
Max. Marks : Total 100

Particulars/विवरण

Unit- 1st	1. रायगढ़ घराने के कथक नृत्य के विकास में राजा चक्रधर सिंह जी का योगदान। 2. गुरू शिष्य परम्परा के महत्व को समझाइए।	
Unit- IInd	1. भारतीय रंगमंच स्वरूप एवं परम्परा। 2. भारतीय. नृत्य कला में विभिन्न कालों में परिवर्तन।	
Unit- IIIrd	1. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार निम्न विषयों का अध्ययन अ. देवहस्त एवं दशावतार हस्त। ब. कुचिपुड़ी शास्त्रीय नृत्य शैली का परिचयात्मक ज्ञान। 2. पं. कार्तिकराम एवं पं. कल्याण दास जी जीवन परिचय।	
Unit- IVth	1. जीवनियां एवं कथक नृत्य में योगदान– पं. फिरतू महाराज, पं. बर्मन लाल, पं. रामलाल, विदूषी सितारा देवी, गोपीकृष्ण, कृष्ण कुमार। 2. रास नृत्य से कथक का संबंध।	
Unit- Vth	1. पंचमसवारी एवं गजझंपातालों की ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन। 2. तीनतांल, पंचमसवारी अथवा गजझंपा तालों में सीखे गये बोल व परन।	

नोटः– तृतीय सेमेस्टर के धमार एवं आडा चौताल।
पंचम सेमेस्टर के ताल– तीनताल, पंचमसवारी, एवं गजझम्पा।
पूर्व में कक्षा में सीखी गई ताल एवं बंदिशों की पुनरावृत्ति।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम(स्वाध्यायी)

Choice Based Credit System- (CBCS)

सत्र 2021–22

Class : B.A. IIIrd Year
Subject : Kathak
Paper : 2nd
Title of paper : निबंध संरचना, लयकारी एवं प्रयोगात्मक सिंद्धात
(Essay composition rhythmic pattern and principal of practical)
Compulsory/Optical : Compulsory
Max. Marks : Total 100

Particulars/विवरण

Unit- 1st	1. कथक नृत्य के विकास में नवाब वाजिद अली शाह के योगदान का अध्ययन। 2. कथक नृत्य के इतिहास से संबंधित निबंध (300) शब्दो में लिखिए।	
Unit- IInd	1. निम्नलिखित बिंदुओं के आधार पर दिये गये कथानकों पर नृत्य नाटिका की संरचना करने की संचना करने की क्षमता– कालिया दमन, शूर्पणखा, मानभंग कथानक, पात्र चयन, मंच व्यवस्था, वेशभूषा, रूपसज्जा, पार्श्व संगीत, ताल एवं रस। 2. प्रायोगिक पक्ष में सीखी गई बोल बंदिशों को लिपिबद्ध करना।	
Unit- IIIrd	1. पंचमसवारी अथवा गजझंपा तालों की ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन लिपिबद्ध करने की क्षमता। 2. प्रायोगिक में सीखे गये नृत्य के बोलों की लिपिबद्ध करने की क्षमता।	
Unit- IVth	1. नाट्यशास्त्र के अनुसार स्थानक भेद। 2. नृत्य के उपकरंण– मंच व्यवस्था, संगतकार, वेशभूषा, ध्वनिप्रकाश व्यवस्था।	
Unit- Vth	1. त्रिताल में एक तिहाई लिपिबद्ध कीजिए। 2. पंचम सवारी अथवा गजझंपा में एक आमद लिपिबद्ध कीजिए।	

नोटः– तृतीय वर्ष के धमार एवं आडा चौताल, झपताल, सूलताल, रूपक
पंचम सेमेस्टर के ताल– तीनताल पंचसवारी एवं गजझम्पा।
पूर्व कक्षा में सीखी गई ताल एवं बंदिशों की पुनरावृत्ति।

संदर्भित पुस्तकें:–

1. भारतीय संस्कृति में कथक परपंरा (डॉ. मांडवी सिंह)
2. कथक दर्पण (स्व. श्री तीरथराम आजाद)
3. रायगढ़ में कथक (श्री कार्तिकराम जी)
4. कथक नृत्य शिक्षा भाग एक एवं दो (डॉ. पुरू दाधीच)
5. कथक कल्पद्रुम (डॉ. चेतना ज्योतिषी व्यौहार)
6. संगीत दर्पण (श्री दामोदर पंडित)
7. अभिनय दर्पण (श्री वाचस्पति गैरोला)
8. नटवरी नृत्यमाला (गुरू विक्रम)
9. कथक नृत्य (श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग)
10. कथक नर्तन (डॉ. विधि नागर)
11. कथक मध्यमा (डॉ. भगवानदास माणिक)

12. कथक नृत्य शिक्षा भाग–1 (डॉ. पुरू दाधीच)

13. कथक नृत्य का मंदिरों से संबंध ''जयपुर घराने विषेष संदर्भ में'' (डॉ. अंजना झा)

प्रायोगिक– प्रदर्शन एवं मौखिक **पूर्णांकः 100**

Unit- 1_{st}	1. तीन ताल में पूर्व में सीखे गये नृत्य का विकसित रूप एवं तत्कार लयबांट सहित।	
Unit- II^{nd}	1. गत निकास–घूँघट के विभिन्न प्रकार। 3. गतभाव–कालियादमन	
Unit- III^{rd}	1. रामस्तुति पर भाव प्रदर्शन। 2. तराना का नृत्य प्रदर्शन।	
Unit- IV^{th}	3. पंचमसवारी एवं गजझंपा तालों में निम्नानुसार नृत्य– पद संचालन एकगुन, दुगुन, तिगुन, चौगुन, ठाट, एक आमद, तीन तोड़े दो चक्करदार तोड़े, एक प्रिमेलू, दो (जातिगत) परन, एक चक्करदार परन दो कवित्त।	
Unit- V^{th}	पढ़न्त करने की क्षमता– 1. चतुर्थ सेमेस्टर के ताल– धमार एवं आडा चौताल । 2. पंचम सेमेस्टर के ताल– तीन ताल, पंचमसवारी एवं गजझंपा।	